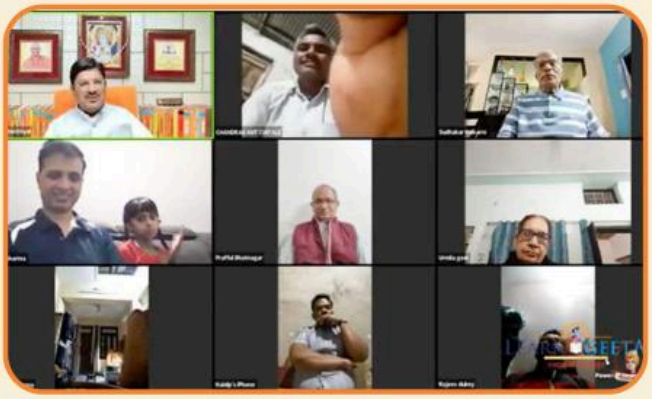
23rd Batch - Feb L2 Opening Ceremony - 17-02-23

https://www.youtube.com/live/SVN6tomgmQo





सूत्र संचालक नमिता जी मेहरा दीदी ने, स्तर 1 से स्तर 2 में प्रवेश किये हुये साधकों का स्वागत किया। कार्यक्रम का आरंभ प्रार्थना कर्नाटक से डॉ. शोभाजी नादगीर दीदी ने की। दीप प्रज्ज्वलन कोलकाता से शशी जी अग्रवाल दीदी के हाथों संपन्न हुआ। उसके पश्चात् ऑनलाईन गीता क्लासेस के प्रोग्राम डायरेक्टर तथा गीता परिवार के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आ. डॉ आशू जी गोयल भैया ने प्रास्ताविक मार्गदर्शन किया। आदरणीय डॉ. आशू भैया ने फरवरी माह में स्तर 2के 23वें बैच के उद्घाटन समारोह में 144 देशों से जुड़े 21,000 साधकों का स्वागत व अभिनन्दन करते हुये कहा की आपको स्वयं भगवान् की कृपा प्राप्त हुई है और साक्षात् श्रीहरि ने आपका चयन किया है। इसिलिये आप सभी को इस लोक व परलोक दोनों में आपका कल्याण करने वाली श्रीमद्भगवद्गीता जी को सीखने का परम् सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

तेजः क्षमा धृतिः शौचमद्रोहो नातिमानिता।
भवन्ति सम्पदं दैवीमभिजातस्य भारत।।

अद्भुत गीताजी को पढ़ने से बालक कुशाग्र, युवा वर्ग जीवन के हर क्षेत्र में विजयी, प्रौढ़ जीवन में असीम शांति का अनुभव करते हैं तथा बुजुर्ग पढ़ते हैं तो मुमुक्षुत्व को प्राप्त हो जाते हैं। आज लगभग 5,30,000 लोग, 144 देशों से, 18 समय सत्रों में, 12 भाषाओं में सोमवार से शुक्रवार तक नियमित 1300 ज़ूम क्लासेस में निष्काम गीता ज्ञान यज्ञ चल रहा है।

आ. भैया ने जिज्ञासु परीक्षा का अद्भुत, भावनिक अनुभव कथन किया। एक बहन जो भयंकर शारीरिक पीड़ा ग्रस्त है; जन्म से केवल बिस्तर पर है, उठ नहीं पाई है, बोल भी नहीं सकती थी। उनको गीताजी के सान्निध्य में आनेसे इतनी ऊर्जा मिली है; कि प्रयास करने पर पहले शब्द उन्होंने गीताजी के श्लोक ही बोले। आगे भैया ने कहा गीताजी के पठन से हजारों साधाकों को स्वास्थ्य लाभ हुये। डायबिटीज, डिप्रेशन की दवायें छूट गई। संबंधों में मधुरता, स्वभाव में सौम्यता की उपलब्धियां प्राप्त हुई। भैया ने आवाह्न किया कि गीतासेवा से जुड़ें। गीता प्रचार, प्रसार कर अपने साथ मित्र एवं परिवारजनों को ज्ञान यज्ञ से जोड़कर जीवन कल्याण का मार्ग और प्रशस्त करें।

आ. भैया ने आपने प्रास्ताविक मार्गदर्शन के बाद गीताव्रती साधकों के न प्रात्यक्षिक लिये। बैंगलौर से प्रभा अय्यर दीदी (आयु 63वर्ष), अहमदनगर से गीताव्रती निकुंज राठी भैया(आयु 8 वर्ष), मुंबई से गीताव्रती उषा सुब्रह्मण्यम दीदी (आयु 63 वर्ष), राजकोट से गीताव्रती ज्योत्स्ना आबानी दीदी (आयु 65 वर्ष) ने बहुत सुन्दर गीता कंठस्थीकरण का सुन्दर प्रात्यक्षिक दिया।

तत्पश्चात् स्तर 2 में पहुंचे साधाकों के मनोगत हुये। जहाँ साधको नें बताया कि संस्कृत भाषा को ना जानते हुये भी गीताजी को लगन व उत्साह के साथ सीखा। निरंतर श्रवण व पठन से अध्याय 12 व 15 कंठस्थ भी किया। कई साधकों ने अपने भीतर आत्मविश्वास बढ़ता हुआ पाया। तत्पश्चात् गुजरात से दिनेश जी अखानी भैया द्वारा धन्यवाद ज्ञापन हुआ। गोपीनाथ जी केतन भैया ने समापन प्रार्थना संपन्न की। पावन हनुमान चालीसा पाठ से सत्र का समापन हुआ।



अन्य स्वागत समारोह -

24th Batch - FEB L1 Welcome Ceremony - 27-02-23
https://www.youtube.com/live/98I0lXXADn0

11th Batch - Feb L3 Opening Ceremony - 14-03-23
https://www.youtube.com/live/Z9IJ74ajgjc

24th batch - Apr L2 Opening Ceremony - 03-04-23
https://www.youtube.com/live/m888WA4dkr8

25th Batch - Apr23 L1 Opening Ceremony - 18-04-23
https://www.youtube.com/live/hWCWvNBBROk

25th Batch - May L2 Opening Ceremony - 29-05-23
https://www.youtube.com/live/0QJNdi5fnnM

26th Batch - June23 L1 Opening Ceremony - 02-06-23
https://youtube.com/live/6o7bAvO91M0